an>

Title: Need to commence Koel Irrigation project to benefit the farmers in Magadh region.

श्री राजेश रंजन **(मधेपुरा) :** महोदय, मगध का इतिहास भारत का इतिहास रहा है। मगध से भारत की पहचान दुनिया में हुई है और भारत के इतिहास में कभी आर्थिक जोन मगध को कहा जाता रहा है। आज मगध की स्थिति यह है कि वहां भय, भूख, भ्रष्टाचार और गरीबी भ्रष्टाचार बन गई है। आज वहां विशेष आर्थिक पैकेज दिए जाने की आवश्यकता है। वहां सिंचाई की स्थिति इतनी खराब है कि वहां पांच फसलों में से केवल एक फसल हो पाती है। हिंदुस्तान में सबसे ज्यादा गरीबी अगर कहीं है तो बिहार में मगध की हो गई है और वह किसानों की लूट के कारण हुई है। पदाधिकारियों और नेताओं द्वारा किसानों की लूट इसकी मुख्य वजह है। वहां सबसे बड़ी परियोजना कोयल नहर परियोजना शुरू हुई थी। वहां मोहम्मदगंज बैराज और इन्द्रपुरी बैराज होते हुए औरंगाबाद से कुटकुट और हरियाई, दोनों पर दो हजार आठ सौ करोड़ रुपये खर्च हो गए हैं, लेकिन अभी तक वह परियोजना शुरू नहीं हुई है। झारखंड में और केंद्र में भी भाजपा की सरकार है।

मैं आग्रह करूंगा कि इस कोयल नहर परियोजना को शुरू करके जहानाबाद से औरंगाबाद और औरंगाबाद से मगध तक किसानों की आर्थिक स्थिति को ठीक करने के लिए पानी घर-घर देना आवश्यक है।